B.A. PART III
PAPER-VIII राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारत में संवैधानिक विकास

Topic :- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना

1885 ई. में कांग्रेस की स्थापना का कार्य विचारों या संगठन की दृष्टि से आकस्मिक नहीं था। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व भी कुछ राजनीतिक संगठन स्थापित किए गए थे और इनके द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा था। कांग्रेस के पूर्ववर्ती संगठनों में प्रमुख थे - ब्रिटिश इण्डिया एसोसिएशन (1851), इण्डिया लीग (1875), इण्डियन एसोसिएशन (1876), पूना सार्वजनिक सभा (1867), बाम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन और महाजन सभा (1881) आदि।

कांग्रेस की स्थापना :- उपर्युक्त संस्थाओं के द्वारा विभिन्न प्रान्तों में राजनीतिक चेतना उत्पन्न करने का कार्य किया जा रहा था। 1876 के बाद लार्ड लिटन के अविवेकपूर्ण कार्यों और उसके बाद लार्ड रिपन के शासनकाल में इल्बर्ट बिल सम्बन्धी विवाद ने अखिल भारतीय लक्षण के राजनीतिक संगठन की आवश्यकता स्पष्ट की। इन परिस्थितियों में सर्वप्रथम सम्भवतया एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज अधिकारी एलेन ऑक्टेवियन ह्यूम (Allan octavian Hume) के मस्तिष्क में कांग्रेस की स्थापना का विचार उदय हुआ। अतः ह्यूम को इस संस्था का जन्मदाता कहा जाता है। ह्यूम की योजना सम्भवतः एक ऐसे संगठन का निर्माण करने की थी जो प्रमुख रूप से सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में कार्य करते हुए भारत की स्थिति में सुधार लाना था। ह्यूम ने यह योजना नये गवर्नर जनरल लार्ड डफरिन के सामने रखी तो लार्ड डफरिन ने प्रस्तावित संगठन के कार्यक्षेत्र को बढ़ाने का सुझाव देते हुए कहा कि इस संगठन के द्वारा राजनीतिक क्षेत्र में कार्य किया जाना चाहिए।

ह्यूम ने अपनी योजना में वायसराय के निर्देश के अनुसार परिवर्तन किया और वे इंग्लैण्ड पहुँचे। इंग्लैंड में उन्होंने वहाँ के प्रमुख व्यक्तियों लार्ड रिपन, डलहौजी, जॉन ब्राइट और स्लेग आदि से विचार विनिमय किया। इंग्लैंड से वापस आने पर यह निश्चित किया गया कि कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन पूना में 25 से 28 दिसम्बर, 1885 तक होगा। लेकिन पूना में हैजा शुरू हो जाने पर अधिवेशन पूना के स्थान पर बम्बई में किया गया। 28 दिसम्बर, 1885 को दिन के 12 बजे गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज के भवन में कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन आरम्भ हुआ। जिसकी अध्यक्षता कलकत्ता के प्रसिद्ध बैरिस्टर व्योमेश चन्द्र बनर्जी द्वारा किया गया। अधिवेशन में भारत के अनेक प्रसिद्ध व्यक्ति - दादाभाई नौरोजी, फिरोजशाह मेहता, काशीनाथ तैलंग, नारायण गणेश चन्द्रावरकर, पी. आनन्दचार्लू, वी. राघवाचार्य,

Scanned with CamScanner

सुब्रह्मण्यम् आदि उपस्थित थे। यह समस्त कार्य सरकारी आशीर्वाद से किया गया। कूपलैण्ड ने लिखा है कि, "भारतीय राष्ट्रीयता ब्रिटिश राज की शिशु थी और ब्रिटिश अधिकारियों ने उसके पालने को आशीर्वाद दिया।" अधिवेशन में विलियम वेडरबर्न और ग्लाइड जैसे सरकारी अधिकारी भी उपस्थित थे।

कांग्रेस के उद्देश्य:-

कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन के सभापति व्योमेशचन्द्र बनर्जी ने कांग्रेस की प्रस्तावना की ओर प्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित करते हुए इसके उद्देश्य इस प्रकार बतलाये थे -

(1) साम्राज्य के विभिन्न भागों में देशहित के लिए लगन से कार्य करने वाले व्यक्तियों के बीच घनिष्ठता और मित्रता के सम्बन्ध-स्थापित करना।

(2) समस्त देशवासियों में वंश, धर्म और प्रान्त सम्बन्धी दूषित संस्कारों को मिटाकर राष्ट्रीय एकता की भावनाओं का पोषण और परिवर्धन करना।

(3) महत्वपूर्ण और आवश्यक सामाजिक प्रश्नों पर भारत के शिक्षित लोगों में अच्छी तरह चर्चा होने के बाद परिपक्व सम्मतियों का संग्रह करना।

(4) उन तरीकों और दशाओं का निर्णय करना, जिनके द्वारा भारत के राजनीतिज्ञ देशहित में कार्य करें।

कांग्रेस की स्थापना के आधारभूत कारण से सम्बन्धित विवाद

ए.ओ. ह्यूम तथा उनके सहयोगियों के कांग्रेस को संगठित करने के वास्तविक उद्देश्य क्या थे, इस सम्बन्ध में विद्वान एकमत नहीं हैं। इस सम्बन्ध में प्रमुख रूप से दो व्याख्याएँ प्रस्तुत की जाती हैं:-

अभयदीप की धारणा:- पहली धारणा के अनुसार कांग्रेस की स्थापना व्यापक व्यापक असन्तोष के लिए हुआ था। लार्ड लिटन के दमनकारी शासन की समाप्ति पर भारत क्रान्ति के बहुत ~~अधिक~~ अधिक समीप पहुँच चुका था। भारतीय जनता की दयनीय दरिद्रता और शिक्षित नवयुवकों का घोर असन्तोष क्रान्ति का रूप ग्रहण करने वाला था। ~~ह्यूम~~ ह्यूम को विश्वसनीय सूत्रों से इस बात का ज्ञान हो चुका था कि राजनीतिक अशान्ति अन्दर ही अन्दर बढ़ रही है। दक्षिण के कृषक विद्रोह ने बंगाल के उग्र क्रान्तिकारियों की गतिविधियों ने दूरदर्शी ह्यूम को भावी खतरे की सूचना दे दी थी। अन्ततः उन्होंने जनता के असन्तोष को क्रान्ति का रूप ग्रहण करने से रोकने के लिए 'अभयदीप' को जन्म दिया जो कि कांग्रेस थी। ह्यूम के जीवनी लेखक सर विलियम वेडरबर्न के अनुसार ह्यूम ने एक बार कहा था कि, "भारत असन्तोष की बढ़ती हुई शक्तियों से बचने के लिए अभयदीप (Safety-Valve) की आवश्यकता है और कांग्रेस आन्दोलन से बढ़कर अभयदीप

इससे कोई चीज नहीं हो सकती।"

लाला लाजपत राय ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '<u>यंग इंडिया</u>' में उपर्युक्त धारणा का प्रतिपादन करते हुए कहा कि "भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना का मुख्य उद्देश्य यह था कि इस संस्था के संस्थापक ब्रिटिश साम्राज्य की संकटों से रक्षा करना और उसको छिन्न-भिन्न होने से बचाना चाहते थे।" इस सम्बन्ध में रजनी पामदत्त ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक '<u>India Today</u>' में यहाँ तक कह दिया कि "कांग्रेस की स्थापना ब्रिटिश सरकार की एक पूर्व निश्चित गुप्त योजना के आधार पर की गयी थी।"

यह स्पष्ट है कि कांग्रेस ने मि. ह्यूम और इन ब्रिटिश अधिकारियों की आशाओं को जिन्होंने कांग्रेस की स्थापना में योग दिया था, पूर्ण किया। वह शिक्षित भारतीयों के असन्तोष का आकर्षण केन्द्र बन गयी। कांग्रेस के मंच से इस बेचैनी और असन्तोष को वैधानिक रूप से व्यक्त किया जाने लगा और इस प्रकार कांग्रेस राष्ट्रीय असन्तोष को व्यक्त करने का शान्तिमय साधन बन गयी।

<u>राष्ट्रीय संस्था के रूप में स्थापना</u> :- कांग्रेस की स्थापना के सम्बन्ध में दूसरी इस धारणा का प्रतिपादन किया जाता है कि कांग्रेस की स्थापना भारतवासियों के हितार्थ एक राष्ट्रीय संस्था के रूप में की गयी। यदि कांग्रेस की स्थापना के सम्बन्ध में प्रतिपादित '<u>अभयदीप की धारणा</u>' को स्वीकार कर लिया जाय, तो यह न केवल ह्यूम वरन उन भारतीय नेताओं पर भी आक्षेप होगा, जिन्होंने कांग्रेस की स्थापना में सहयोग दिया था। श्रीमती एनी बेसेण्ट लिखती हैं कि "राष्ट्रीय कांग्रेस का जन्म मातृभूमि की रक्षा के हित में 17 प्रमुख भारतीयों तथा ह्यूम साहब के द्वारा हुआ था।

इसके अतिरिक्त ह्यूम को जिनके द्वारा अपने जीवन का काफी बड़ा भाग भारतीय जनता के कल्याण में ही लगाया था, कोरा साम्राज्यवादी नहीं कहा जा सकता। यंग इंडिया के लेखक लाला लाजपत राय भी ह्यूम के उच्च आदर्श को स्वीकार करते हुए लिखते हैं, "ह्यूम स्वतंत्रता के पुजारी थे उनका हृदय भारत की निर्धनता और दुर्दशा पर रोता था। वे इस बात को अच्छी तरह समझते थे कि कोई भी शासन चाहे देशी हो अथवा विदेशी बिना किसी दबाव के जनता की मांगों को पूरी नहीं करता। इसलिए वे यह चाहते थे कि भारतीयों के द्वारा स्वतन्त्रता के लिए प्रयत्न किया जाना चाहिए।

Scanned with CamScanner